This question paper contains 8 printed pages]

1641-P

First Year Arts EXAMINATION, 2017

SANSKRIT-I

Paper I

(काव्य, नाटक एवं प्रायोगिक व्याकरण)

Time allowed : Three Hours

Maximum Marks : 100

खण्ड 'अ' [Marks : 20]

सभी *प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर* ***50*** *शब्दों से अधिक न हो।* ***सभी*** *प्रश्नों के अंक समान हैं।*

खण्ड 'ब' [Marks : 50]

प्रत्येक इकाई से ***एक*** *प्रश्न चुनते हुए, कुल* ***पाँच*** *प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर* ***250*** *शब्दों से अधिक न हो।* ***सभी*** *प्रश्नों के अंक समान हैं।*

खण्ड 'स' [Marks : 30]

कोई ***दो*** *प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर* ***300*** *शब्दों से अधिक न हो।* ***सभी*** *प्रश्नों के अंक समान हैं।*

P.T.O.

खण्ड 'अ'

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिये :

(*i*) विद्याविहीन मनुष्य किसके समान है ?

(*ii*) नृपनीति को किसके समान बताया गया है ?

(*iii*) सभी गुण किस पर आश्रित हैं ?

(*iv*) न्याय के पथ से कौन विचलित नहीं होता है ?

(*v*) मनस्वी व्यक्ति की वृत्ति किसके समान होती है ?

(*vi*) 'स्वप्नवासवदत्तम्' नाटक किसकी रचना है ?

(*vii*) उदयन के सेनापति का क्या नाम था ?

(*viii*) वासवदत्ता किसकी पत्नी थी ?

(*ix*) 'प्रसक्तः' में प्रकृति-प्रत्यय बताइये ।

(*x*) 'ह्यस्तु' में संधिविच्छेद कर नाम बताइये ।

खण्ड 'ब'

इकाई I

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिये :

येषां न विद्या न तपो न दानं

ज्ञानं न शीलं गुणो न धर्मः ।

ते मर्त्यलोके भुविभारभूताः

मनुष्यरूपेण मृगाश्चरन्ति ॥

अथवा

वहति भुवनश्रेणिं शेषः फलाफलकस्थितां

कमठपतिना मध्येपृष्ठं सदा स च धार्यते ।

तमपि कुरुते क्रोडाधीनं पयोधिरनादरा-

दहह ! महतां निःसीमानश्चरित्रविभूतयः ॥

इकाई II

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिये :

शशि दिवाकरयोर्ग्रहपीडनम्

गजभुजङ्गमयोरपि बन्धनम् ।

मतिमतां च विलोक्य दरिद्रतां

विधिर हो ! बलवानिति मे मतिः ॥

अथवा

मनसि वचसि काये पुण्यपीयूषपूर्णा

स्त्रिभुवमुपकार श्रेणिभिः प्रीणयन्तः ।

परगुण परमाणून् पर्वतीकृत्य नित्यं

निजहृदि विकसन्तः सन्तः कियन्तः ॥

इकाई III

4. निम्नलिखित श्लोकों में से किसी **एक** श्लोक की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिये :

सविश्रमो ह्ययं भारः

प्रसक्त स्तस्य तु श्रमः ।

तस्मिन् सर्वमधीनं हि

यत्राधीनो नराधिपः ॥

अथवा

दुःखं त्यक्तुं बद्धमूलोऽनुरागः

स्मृत्वा स्मृत्वा याति दुःखं नवत्वम् ।

यात्रात्वेषा यद् विमुच्येह वाष्पं

प्राप्तानृण्या याति बुद्धिः प्रसादम् ॥

इकाई IV

5. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की संस्कृत में सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिये :

कातराः येऽप्यशक्ता वा नोत्सोहस्तेषु जायते ।

प्रायेण हि नरेन्द्रश्रीः सोत्साहैरेव भुज्यते ॥

अथवा

प्रच्छाद्य राजमहिषीं नृपतेः हितार्थं

कामं मया कृतमिदं हितमित्यवेक्ष्य ।

सिद्धेऽपि नाम मम कर्मणि पार्थिवोऽसौ

किं वक्ष्यतीति हृदयं परिशंकितं मे ॥

इकाई V

6. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **पाँच** का प्रकृति-प्रत्यय/सन्धि-विच्छेद/समास विग्रह लिखिये :

(*i*) भवितव्यम्

(*ii*) विपत्तिः

(*iii*) पातः

(*iv*) दृष्ट्वा

(*v*) यद्यस्यास्ति

(*vi*) सोदका

(*vii*) विमुच्येह

(*viii*) अवसुप्तम्

(*ix*) नोत्साहस्तेषु

(*x*) नलिनी पत्रेण

खण्ड 'स'

इकाई I

7. नीतिशतक की 'दुर्जन-पद्धति' का वर्णन कीजिये ।

इकाई II

8. नीतिशतक की 'दैवपद्धति' पर प्रकाश डालिये ।

इकाई III

9. 'स्वप्नवासवदत्तम्' के आधार पर 'उदयन' का चरित्र-चित्रण कीजिये ।

इकाई IV

10. 'स्वप्नवासवदत्तम्' नाटक में प्रकृति-चित्रण पर प्रकाश डालिये ।

इकाई V

11. निम्नलिखित शब्दों में प्रकृति-प्रत्यय/सन्धि-विच्छेद/समास बताइये :

(*i*) स्पृष्टः

(*ii*) विलोक्य

(*iii*) सम्पातः

(*iv*) विश्रब्धम्

(*v*) दर्शनीयः

(*vi*) वृत्तिम्

(*vii*) उपगम्य

(*viii*) नवोद्वाहा

(*ix*) योऽयं

(*x*) मदनार्त्ताभिः